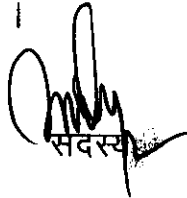


**XXXIX(a)BR(H)-11**

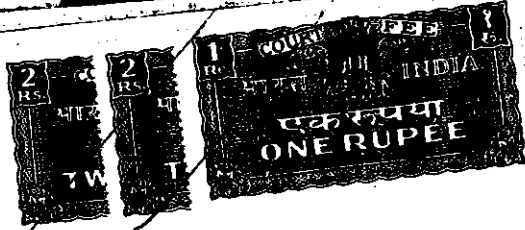
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - रिव्यू 733-चार/03

जिला - जबलपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
20-7-15	<p>आवेदक की ओर से अभि. श्री एस.के. श्रीवास्तव एवं अनावेदक क्रमांक 4 एवं 5 की ओर से अधिवक्ता श्री प्रदीप श्रीवास्तव उपस्थित । प्रकरण का अवलोकन किया इस प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा विविध याचिका क्रमांक 3561/2003 में पारित आदेश दिनांक 2-8-06 की प्रतिलिपि संलग्न है । माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय को दृष्टिगत रखते हुए इस प्रकरण को चलाए जाने का कोई औचित्य नहीं है । आवेदक अधिवक्ता भी यह नहीं बता सके कि इस प्रकरण को आगे क्यों चलाया जाये । अतः यह प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है ।</p>	 सदस्य





समक्ष। - न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर,

पुरावलोका /2003  
~~पुरावलोका~~ प्र०प्र०

आवेदकगण:- डॉ० बाबा साहेब अम्बेडकर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या.  
जबलपुर एवं एक अन्य

विरुद्ध

अनावेदकगण:- डॉ० जी०पी० नरवरिया एवं अन्य

आवेदनपत्र अंतर्गत धारा 5 भारतीय मर्यादा अधिनियम वास्ते विलंब क्षमा

करने हेतु -

आवेदकगण, निम्नलिखित प्रार्थना करते हैं :-

1. यह कि, उपरोक्त प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष अनावेदकगण के विरुद्ध वास्ते प्रकरण पुनः स्थापना हेतु प्रस्तुत किया गया है।


2. यह कि, अनावेदकगण द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत होकर नवीन जानकारियां प्रस्तुत की गई हैं जिनके बारे में आवेदकगण को पूर्व में कोई ज्ञान नहीं था।

3. यह कि, आवेदकगण को रिवीजन प्र०प्र० 56-5/92 में पारित निर्णय दिनांक 1.5.1993 जानकारी जब हुई जब अनावेदकगण माननीय उप-पंजीयक सहकारी समितियों के न्यायालय में उपस्थित होकर उक्त रिवीजन प्रकरण की नए प्रस्तुत की गई।

4. यह कि, उक्त आदेश के बारे में आवेदकगणों को पूर्व में कोई ज्ञान नहीं था। इस कारण आवेदकगणों का विलंब क्षमा दिया जा सकता है। श्राप्य समक्ष में सिलमन है।

प्रार्थना

अतः माननीय न्यायालय से प्रार्थना है कि न्यायहित में आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत प्रकरण में कारित विलंब न्यायहित में एवं अज्ञानता

का भूल मानते हुये क्षमा करने की हुपा करे। अ. 9.5.03  आवेदकगण

